श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. वालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 6 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 जून 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

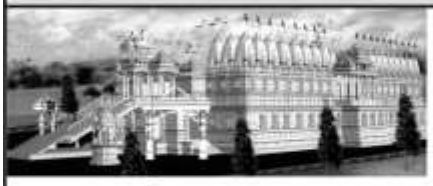

श्री माण्डवपुर तीर्थ में पट्टधरद्वय का मंगल प्रवेश

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय वर्तमान गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं सूरिमन्त्राराधक, संघशिल्पी, माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का भव्य मंगल प्रवेश श्री माण्डवपुर तीर्थ में दिनांक 4 जून 2018 को हुआ।

पुण्य-समाट गुरुदेव के पट्टधरों एवं श्रमण-श्रमणिवृन्दों का भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा के साथ बैण्ड-बाजों, ढोल के साथ किया गया। तीर्थ प्रवेश द्वार पर पट्टधरद्वय का श्राविकाओं ने सिर पर कलश रखकर गहुँली कर अक्षत से बधाते हुए स्वागत, वन्दन किया।

मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि तीर्थ परिसर में तीर्थाधिपति श्री महावीरस्वामी के दर्शन, वन्दन करके दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. एवं योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के गुरु मन्दिर में दर्शन, वन्दन करके आचार्यद्वयश्री श्रमण-श्रमणिवृन्द एवं गुरुभक्तों के साथ पुण्य-सम्राट के समाधि मन्दिर में दर्शन वन्दन करने पहुँचे। आचार्यद्वय के साथ सभी ने सजल नेत्रों से दर्शन एवं गुरु वन्दन किया।

यहाँ से शोभायात्रा तीर्थ परिसर में स्थित उपाश्रय में जाकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। धर्मसभा का शुभारम्भ गच्छाधिपतिश्रीके मंगलाचरण से हुआ। माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री एवं मुनिराजश्री विद्वद्रत्नविजयजी म. सा., श्री आनन्दविजयजी म. सा. आदि ने सारगर्भित प्रवचन प्रदान किया।

इस अवसर पर श्री माण्डवपुर तीर्थ के ट्रस्टीगण, गणमान्य एवं निकटवर्ती ग्रामों के अनेक श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित थीं।

आचार्यदेवेश्री नवकार तीर्थ में अवलोकन करते

पुण्य-सम्राट के पट्टधरद्वय यहाँ से विहार करके श्री 68 अक्षर जिनालय नवकार तीर्थ पहुँचे। यहाँ पर आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने तीर्थ परिसर में सभी स्थानों पर घूमकर चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुए उचित मार्गदर्शन प्रदान किया। निर्माण कार्य को देख कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शीघ्र ही यह स्थल भव्य तीर्थ के स्वरूप में उभरेगा और पुण्य-सम्राट की कीर्ति पताका में एक स्वर्णिम पृष्ठ अंकित करेगा।

आचार्यदेवेश्री नवकार तीर्थ में अवलोकन करते हुए

पुण्य-सम्राट के पट्टधरद्वय एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द दिनांक 9 जून 2018 को सियाणा (राज.) पहुँचे जहाँ श्रीसंघ सियाणा ने भव्य सामैया कर भव्य शोभायात्रा के साथ आचार्यद्वय का नगर प्रवेश करवाया। महिलाओं ने मंगल कलश

आचार्यद्वय का सियाणा नगर में भव्य प्रवेश

आचार्यद्वय को गहुँली कर मंगल कलश से बधाते हुए

एवं गहुँली कर गुरु भगवन्तों को बधाया। श्रीसंघ की ओर से सभी गुरुभक्तों की नवकारसी एवं स्वामीवात्सल्य का आयोजन रखा गया।

सियाणा से आचार्यद्वय आकोली, रामसीन, डोरडा होते हुए भीनमाल नगर में 12 जून 2018 को प्रवेश करेंगे। वहाँ से रानीवाड़ा होते हुए दिनांक 18 जून 2018 को थानेरा नगर पधारेंगे, जहाँ आचार्यद्वय की निश्रा में मन्दिर निर्माण हेतु बैठक आयोजित होगी।

अतिप्राचीन श्री माण्डवपुर महातीर्थ

पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं
योगिराज संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के विनीत सुशिष्य
माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.
आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द

भव्य वर्षावास मंगल प्रवेश

दिनांक 18-7-2018 को प्रातः 8 बजे
आप सभी सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

तरुण ग्रीष्मोत्सव का आयोजन

उदयपुर (स. सं.)

गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आशीर्वाद से अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन तरुण परिषद् अहमदाबाद द्वारा तरुण ग्रीष्मोत्सव का आयोजन पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा. की पुण्य तिथि दिनांक 5 जून 2018 को किया गया।

परिषद् कार्यकर्ताओं द्वारा गरीबों को आमरस, पूड़ी, रोटी, सब्जी आदि का वितरण किया गया। परिषद् द्वारा विभिन्न अवसरों पर जनकल्याण के कार्यक्रम आयोजित होते रहते है।

चलो अष्टप्रकारी पूजा करने

उदयपुर (स. सं.)

श्री कल्याण परिवार, अहमदाबाद द्वारा खानपुर, अहमदाबाद में सभी पाठशाला के बालकों को दिनांक 10 जून 2018 को आमन्त्रित कर अष्टप्रकारी महापूजा और रात्रि भक्ति-भावना का कार्यक्रम किया गया।

श्री नमिनाथ जिनालय उपाश्रय, खानपुर, अहमदाबाद में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में बालकों को 'किसे कहते है परमात्मा की पूजा, परमात्मा की पूजा कैसे करना चाहिये' आदि की जानकारी दी गई। सभी बालकों के साथ अष्टप्रकारी पूजा का आयोजन किया गया। रात्रि को श्री मनीषभाई गिरनारी द्वारा भक्ति की गई।

दान में अभयदान सर्वश्रेष्ठ

नरसापुर (स. सं.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री संयमरत्नविजयजी म. सा., मुनिश्री भुवनरत्नविजयजी म. सा. ने गोदावरी जिले के नरसापुर नगर में जैन संघ द्वारा आयोजित धर्मसभा में अपने प्रवचन में कहा कि महाजन जहाँ भी जाता है, वहाँ सभी के लिए नया रास्ता बना देता है। जन शब्द पर लगी दो मात्राएँ दया और दान रूपी दो गुण है, ऐसा प्रत्येक जन जैन कहलाने योग्य है। खड़े-खड़े खाना, बहुत हँसते हुए बोलना, बीती हुई बात को याद करना, किए गए कार्य के प्रति अहंकार भाव लाना और जहाँ दो व्यक्ति बात करते हो वहाँ तीसरे व्यक्ति का चले जाना, ये सभी मूर्खता के लक्षण है। अन्नदान, जलदान, वस्त्रदान, नेत्रदान, अर्थदान आदि से भी अभयदान सर्वश्रेष्ठ दान है।

जहाँ हिंसा और आतंक है, वहाँ भय का वातावरण बन जाता है। अभय का वातावरण वहाँ होता है जहाँ हिंसा व शान्ति का वातावरण होता है। भय का भूत जब मनुष्य के सिर पर सवार हो जाता है तब वह अपने आपको भूल जाता है, स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगता है। जहाँ भय होता है, वहाँ अध्यात्म नहीं हो सकता। वैसे तो प्रत्येक प्राणी जीवन में एक बार मरता है, किन्तु भयभीत प्राणी प्रत्येक क्षण मरता रहता है।

दसई में बालक-बालिका शिविर

दसई (स. सं.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री भाग्यकलाश्रीजी म. सा.आदि ठाणा की पावन निश्रा में श्री राजेन्द्र जैन ज्ञान मन्दिर, दसई नगर में दिनांक 8 जून 2018 से 11 जून 2018 तक 7 वर्ष से 20 वर्ष तक की आयु वाले बालक-बालिकाओं का शिविर आयोजित किया गया। प्रतिदिन 12.15 बजे से 3 बजे तक चलने वाले इस शिविर में बालक-बालिकाओं ने उत्साह से भाग लिया और विभिन्न धार्मिक क्रियाएँ साध्वीजी द्वारा सिखाई गई। धार्मिक प्रतियोगिताओं में उत्तीर्ण बालक-बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया।

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये।
घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

ज्ञान पीठ परीक्षा केन्द्र की स्थापना व धार्मिक पाठशाला का शुभारम्भ

उदयपुर (स. सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय के शुभाशीर्वाद से महिला परिषद् की प्रान्तीय शिक्षा मन्त्री श्रीमती संगीता पोरवाल एवं श्रीमती सारिका कोलन ने वरिष्ठजनों की उपस्थिति में ताल, आलोट एवं महिदपुर रोड़ में श्री यतीन्द्र ज्ञान पीठ परीक्षा केन्द्र की स्थापना एवं श्री यतीन्द्र-जयन्त जैन धार्मिक पाठशाला का शुभारम्भ किया।

ताल केन्द्र में 23 विद्यार्थियों ने फार्म भरे तथा यहाँ पर श्री यतीन्द्र-जयन्त जैन धार्मिक पाठशाला का भी शुभारम्भ किया। जिसका संचालन स्थानीय श्रीमती ममता सिसोदिया एवं श्रीमती मनोरमा द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर ताल समाज के प्रमुख श्री मूरालाल मुणेत, श्री पंकज आँचलिया सहित अनेक वरिष्ठजन उपस्थित थे।

महिदपुर रोड़ में श्री यतीन्द्र ज्ञान पीठ परीक्षा केन्द्र की स्थापना स्थानीय परिषद् अध्यक्ष श्री अनिल कोचर, प्रचार मन्त्री श्री सचिन मण्डारी, श्री समस्थ चोरड़िया, श्री हिमांशु कोचर एवं महिला परिषद् अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा कोचर व परिषद् सदस्यों की उपस्थिति में की गई। स्थापना के पश्चात् 15 विद्यार्थियों ने फार्म भरे।

आलोट में श्री यतीन्द्र ज्ञान पीठ परीक्षा केन्द्र की स्थापना स्थानीय नवयुक एवं महिला परिषद् के सदस्यों की उपस्थिति में की गई जिसमें 17 विद्यार्थियों ने फार्म भरे। यतीन्द्र वाणी परिवार की ओर से परिषद् परिवार को बधाई।

भीनमाल में सम्यग्ज्ञान शिविर

उदयपुर (स. सं.)

पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय वर्तमान गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं सूरिमन्त्राराधक, स्पष्टवक्ता, माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी तथा समत्व-साधिका साध्वीश्री महाप्रभाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री प्रीतिदर्शनाश्रीजी म. सा., श्री रुचिदर्शनाश्रीजी म. सा., श्री श्रुतिदर्शनाश्रीजी म. सा., श्री तृप्तिदर्शनाश्रीजी म. सा., श्री प्रीतदर्शनाश्रीजी म. सा., श्री रीतदर्शनाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-6 की पावन निश्रा में सकल जैन श्रीसंघ, भीनमाल एवं श्री महावीरस्वामी जैन श्वेताम्बर तपोगच्छीय ट्रस्ट मण्डल, भीनमाल द्वारा सम्यग्ज्ञान शिविर दिनांक 17 जून 2018 से दिनांक 24 जून 2018 तक श्री महावीरजी मन्दिर, पुराने पोस्ट ऑफिस के पास, भीनमाल में आयोजित किया जायेगा।

शिविर में साध्वी भगवन्तों द्वारा अनेक विषयों की सारगर्भित जानकारी देते हुए विद्यार्थियों में धर्म संस्कार का बीजारोपण किया जायेगा। यह शिविर प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। साध्वीश्री प्रीतिदर्शनाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा का इस वर्ष का वर्षावास भीनमाल नेगर में ही है। वर्षावास का मंगल प्रवेश दिनांक 11 जुलाई 2018 को श्री महावीरजी मन्दिर में होगा।

श्री सूरिराजेन्द्र अन्नदानं ग्रुप का गठन

उदयपुर (स. सं.)

धर्मानुरागी श्री अजीतकुमार सुरेयकुमारजी, काकीनाड़ा-बागरा निवासी पिछले वर्षों से वैयावच्च सेवा में अनुकरणीय, अनुमोदनीय योगदान कर रहे हैं। इसके लिए आपने 'श्री वर्धमान वैयावच्च ग्रुप' का गठन सन् 2013 में किया और वर्तमान में 100 से अधिक सेवाभावी इस ग्रुप से जुड़ गये हैं। आपने समाज की जागरूकता एवं उत्साह को देखते हुए वैयावच्च सेवा का विस्तार करते हुए इसे विजयवाड़ा से श्री सम्मेतशिखरजी तक बढ़ा दिया है। किसी भी सम्प्रदाय के साधु-साध्वी भगवन्त हो श्री वर्धमान वैयावच्च ग्रुप अपनी सेवाएँ निष्ठ एवं समर्पण के साथ पूर्ण भक्ति के साथ प्रदान कर रहा है।

सेवा की शृंखला में अनुकम्पा दान के अन्तर्गत इस समूह ने 'श्री सूरिराजेन्द्र अन्नदानं ग्रुप का गठन किया है और इसका प्रथम अन्नदा दिनांक 10 जून 2018 को श्री राजेन्द्र भवन, काकीनाड़ा में किया गया। सम्पूर्ण समाज ने इस सुकृत कार्य की प्रशंसा करते हुए उत्साह से भाग लिया और प्रति रविवार को होने वाले इस अन्नदानं में अपना सहयोग प्रदान किया। इस योजना को नियमित स्थाई रूप से चलाने हेतु ग्रुप सदस्यों एवं समाज ने 6 माह की राशि एकत्रित कर ली है। यतीन्द्र वाणी परिवार ऐसे सत्कार्यों के लिए ग्रुप को बधाई प्रेषित करते हुए अनुमोदना करता है।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

प. पू. कृपासिन्धु, योगिराज, संयमवयः स्थविर गुरुदेवश्री शान्तिविजयजी म. सा. द्वारा संस्थापित एवं पुण्यसम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर, तीर्थ प्रेरक, प्रवचनकार आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा प्रेरित गुरु स्मारकों पर दर्शनार्थ अवश्य पधारिये !

श्री महावीर 52 जिनालय
श्री वर्धमान राजेन्द्र जैनागम मन्दिर
दादावाड़ी, समाधि-मन्दिर एवं पाटगादी से सुशोभित

श्री भाण्डवपुर महातीर्थ

दर्शनार्थ-यात्रार्थ पधारिये

वार्षिक मुख्य आयोजन

चैत्री पूनम, कार्तिक पूनम, गुरु-सप्तमी (पौष शुक्ला 7)
मुख्य मन्दिर, समाधि मन्दिर ध्वजारोहण
गुरु श्री शान्तिविजयजी म. सा. पुण्य तिथि ज्येष्ठ शुक्ला 10
पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की पुण्य तिथि (वैशाख कृष्णा 7)
तथा अक्षय तृतीया को सामूहिक
वर्षीतप पारणा भव्य रूप से होते हैं।

सम्पर्क :
श्री महावीर 52 जिनालय, श्री वर्धमान राजेन्द्र जैनागम मंदिर पेढ़ी
श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी ट्रस्ट
मु. पो.- भाण्डवपुर तीर्थ, वाया- सायला, जिला- जालोर (राज.)
दूरभाष : 02977-270033, 7340019703-4-5

श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट संचालित

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार

मोटेरा-अहमदाबाद

लगभग 700 वर्ष प्राचीन श्री शान्तिनाथ भगवान प्रतिष्ठित हैं। प्रगट-प्रभावी दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. का गुरु मन्दिर एवं यतीन्द्र वाणी प्रकाशन भवन, अहमदाबाद में व्यवसायरत गुजरात एवं राजस्थान प्रवासी गुरुभक्तों का प्रमुख श्रद्धा केन्द्र

श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट-श्री राजेन्द्र-शान्ति जैनोदय ट्रस्ट एवं श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय राजेन्द्रसूरि स्मारक जैन संघ, उदयपुर का केन्द्रीय कार्यालय यहाँ स्थित है।

सम्पर्क सूत्र-
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
मु. पो.- मोटेरा-382 424
ता. जिला- गाँधीनगर (गुजरात)
दूरध्वनि- 079-23296124

तप-त्याग, भक्ति और शौर्य की वसुन्धरा, अरावलीवादियों से आच्छादित, दादा गुरुदेव की दीक्षा स्थली, झीलों की नगरी उदयपुर में एक बार अवश्य दर्शनार्थ पधारिये।

साधु-साध्वीवृन्द के लिए उपाश्रय, बाहर से पधारे संघों, यात्रियों के ठहरने हेतु सुविधायुक्त विशाल धर्मशाला, भोजनशाला की सम्पूर्ण व्यवस्था।

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार

संचालक-
श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय राजेन्द्रसूरि स्मारक जैन संघ, उदयपुर
दिल्ली-मुम्बई हाईवे-8, केशरियाजी रोड़, उदयपुर से 15 कि.मी. दूर,
मु. पो.- काया-उदयपुर (राज.) मो. 09001295006-8, दूरभाष- 0294-2811693

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार

84 नच्छमान्ध, प्रकट-प्रभावी श्री जीरावला पार्श्वनाथ दादा की शीतल छत्रछाया में पर्वतश्रृंग की गोद में स्थित, पद्म शान्ति-प्रदायक वनराजी से सुशोभित

यात्री आवास की सम्पूर्ण सुविधा उपलब्ध है। दैनिक भाता व्यवस्था भी उपलब्ध है।

सम्पर्क एवं संचालक-
श्री राजेन्द्र-शान्ति जैनोदय ट्रस्ट
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार जीरावलाजी तीर्थ
मु. पो.- जीरावल-307 514
तहसील- रेवदर जिला- सिरोही (राज.) दूरध्वनि- 09001295003

परहित चिन्तक, जीवदया प्रतिपालक, जिनशासन शणगार जंगम तीर्थ स्वरूप पूज्य गुरु भगवन्तों एवं श्रमणी वृन्दों के भीनमाल से जीरावलाजी तीर्थ की ओर विहार मार्ग में भीनमाल से 16 कि. मी. दूर जसवन्तपुरा रोड़ पर वैयावच्च का अभिनव विहार धाम

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार धाम

संचालक-
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
श्री जीरावला तीर्थ
मु. पो.- जीरावल-307 514
तहसील- रेवदर जिला- सिरोही (राज.)
दूरध्वनि- 02975-224995-224844

सम्पर्क सूत्र-
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार धाम
भीनमाल-जसवन्तपुरा रोड़, झरडेश्वर मन्दिर के पास,
मु. पो.- डोरडा-307 515
जिला- जालोर (राज.) मो. 9001295002

श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार

अर्बुदाँचल की पर्वतमालाओं की श्रेणी में स्थित, प्राकृतिक वन-सम्पदा से सुशोभित विश्व विख्यात श्री देलवाड़ा जैन मन्दिर के निकट स्थित परिसर में पूज्य दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. का फोटो स्थापित है। श्री विमल जैन भोजनशाला भी चालू है।

सम्पर्क सूत्र-
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
मु. पो.- देलवाड़ा-आबूपर्वत-307 501
जिला- सिरोही (राज.) दूरध्वनि- 02974-238980 मो. 9001295005

मातुश्री हंजाबाई दलीचन्दजी खिवेंसरा, आकोली स्थापित

श्री गौड़ी पार्श्वनाथ राजेन्द्रसूरि मातुश्री धाम - आकोली

प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण परम शान्ति प्रदायक नयनाभिराम श्री गौड़ी पार्श्वनाथजी, जगत्पूज्य गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. तथा खिवंसरा जैन कुलदेवी श्री अम्बिका माताजी के जिनमन्दिर से सुशोभित पूज्य श्रमण-श्रमणीवृन्दों का अनुपम विहार धाम भोजन - आवास आदि समस्त यात्री सुविधा सम्पन्न

निवेदक-स्थल
श्री गौड़ी पार्श्वनाथ राजेन्द्रसूरि मातुश्री जैन चेरिटेबल ट्रस्ट
जालोर-भीनमाल मुख्य मार्ग,
पो.- आकोली
जिला- जालोर (राज.) 343 022
दूरभाष : 77425 66680
098441 42220

मुनिश्री का वर्षावास सियाणा में होगा

उदयपुर (स. सं.)

परम पूज्य पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं योगीराज संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न सूरिमन्त्राराधक, संघशिल्पी, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्यरत्न तपस्वी मुनिराजश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा-2 के सियाणा नगर में वर्षावास की उद्घोषणा दिनांक 8-6-2018 को वर्तमान गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा की गई।

वर्षावास की उद्घोषणा करते गच्छाधिपतिश्री

वर्षावास की उद्घोषणा जैसे ही हुई सियाणा निवासियों ने दादा गुरुदेव, पुण्य-सम्राट एवं आचार्यद्वय के जय-जयकारों से उपाश्रय को गूँजायमान करते हुए हर्ष के साथ ही आचार्यद्वयश्री का आभार प्रकट किया।

नोट- लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके। -सम्पादक

दानवीर भामाशाह बाबूकाका का देहावसान

उदयपुर (स. सं.)

जीवदया प्रेमी, दानवीर भामाशाह, श्रेष्ठिवर्य श्री बाबूलालजी पी. संघवी का लम्बी बीमारी के पश्चात् मुम्बई में देहावसान हो गया।

श्री बाबूकाका के नाम से विख्यात श्री के. पी. संघवी ट्रस्ट के माध्यम से आपने जिनशासन के अनेकों प्रकल्पों में अपनी पुण्य की लक्ष्मी का सदुपयोग समय-समय पर अनेक स्थानों पर कर पुण्यार्जन किया है। आप द्वारा निर्मित पावापुरी तीर्थ जीव मैत्री धाम आज सारे विश्व के लिए आकर्षण का केन्द्र बन गया है। आपने कई तीर्थों के जीर्णोद्धार, नूतन मन्दिर, उपाश्रय आदि धार्मिक प्रकल्पों में मुक्तहस्त से निःस्वार्थ भावना से दान दिया है। जैन धर्म के सातों क्षेत्रों व जीवदया, अनुकम्पा, चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा, अकाल सहायता, भूकम्प सहायता आदि के क्षेत्र में आपका सहयोग एवं शासन प्रभावना के कार्यों में काकाजी का प्रेम, सहकार अतुलनीय था। आज देश के प्रत्येक गाँव शहर में आपकी धर्मप्रभावनाओं की झलक दृष्टिगत होती रहती है। गुरु भगवन्तों के प्रति श्रद्धावनत श्री बाबूकाका में सेवा भक्ति असीम व बेजोड़ थीं।

यतीन्द्र वाणी परिवार जिनशासन रत्न श्री बाबूलालजी संघवी के देहावसान पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए श्री अरिहन्तप्रभु से अभ्यर्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करे।

जापान में गुरुभक्तों ने मनाई पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की 14 वीं पुण्यतिथि

योगी-वाणी

गन्ने में जहाँ गाँठ होती है वहाँ रस नहीं होता है और जहाँ रस होता है वहाँ गाँठ नहीं होती है।

बस, जीवन भी ऐसा ही है- यदि मन में किसी के लिए नफरत की गाँठ होगी तो हमारा जीवन भी बिना रस का बन जायेगा और जीवन का रस बनाये रखना है तो नफरत की गाँठ को निकालना ही होगा।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डोंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

✲ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✲ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित